तापमान
अधिकतम 45.2 डिग्री
न्यूनतम 20.6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 11 मई 2026

11 मातृ दिवस माताओं के त्याग व प्रेम का प्रतीक : जगमहेंद्र

12 छोटी सरकार चुनने के लिए डाले वोट

खबर संक्षेप

ड्राई डे में शराब बेचने के तीन मामले पकड़े, केस

सोनीपत। नगर निगम चुनाव के दौरान लागू ड्राई डे के बावजूद चोरी-छिपे शराब बेचने के तीन मामले सामने आए हैं। पहला मामला गांव राई क्षेत्र के गोल्डन हट ढाबा के पास स्थित एचआर-10 वाइन शॉप का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ठेके के पीछे की खिड़की से शराब बेची जा रही है। जांच के दौरान एक वीडियो सामने आया, जिसमें ठेकेदार संदीप, कर्मचारी मोहित और अन्य लोग पीछे से शराब बेचते दिखाई दिए। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। दूसरा मामला जाहरी चौक स्थित शराब ठेके का है। गश्त के दौरान पुलिस को यहां शराब बिक्री की सूचना मिली। टीम मौके पर पहुंची तो वहां शराब बेची जा रही थी, लेकिन पुलिस को देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। तीसरा मामला महलाना रोड स्थित शराब ठेके का है, जहां शटर के नीचे से शराब बेची जा रही थी। पुलिस पहुंची तो वहां मौजूद लोग फरार हो गए।

घर में घुसकर हमला करने का आरोपी पकड़ा

गोहाना। बरोदा थाना पुलिस ने दुकान में घुसकर लोहे की पाइप से हमला करने और तोड़फोड़ करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान गांव रिंढाना निवासी प्रवीन के रूप में हुई है। रिंढाना गांव निवासी अजमेर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 अप्रैल को प्रवीन उसकी दुकान पर सामान लेने आया था। उसने प्रवीन से पहले के उधार के रुपये मांगे तो वह गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि प्रवीन दुकान में घुस गया और सामान के साथ तोड़फोड़ की। इसके बाद उसने काउंटर के पास रखी लोहे की पाइप से अजमेर के सिर पर हमला कर दिया। साथ ही दोबारा रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी। अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जमानत मिल गई।

सीटू यूनियन का ऐलान 12 मई को करेंगे प्रदर्शन

सोनीपत। नगर पालिका और फायर कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में सीटू से जुड़ी यूनियनों ने 12 मई को प्रदेशभर में प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। सोनीपत में सभी कर्मचारी सुबह 9 बजे नगर निगम कार्यालय पहुंचकर हड़ताली कर्मचारियों के समर्थन में प्रदर्शन करेंगे। यह जानकारी सीटू जिला सचिव सुनीता, जिला प्रधान अनीता, छवि, राजेश और सिल्क राम मलिक ने ऑनलाइन बैठक के बाद दी। नेताओं ने मांग की कि कर्मचारियों के लिए 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन लागू किया जाए, कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए और हड़ताली कर्मचारियों के साथ सख्ती बंद कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए।

शहर की सरकार के लिए 48.1 प्रतिशत मतदान

2020 में पहले मेयर चुनाव में 60% से कम व 2025 में हुए उपचुनाव में 28.8% मतदान हुआ था

निगम चुनाव : 2020 के मुकाबले घटा उत्साह, उपचुनाव से बेहतर रही भागीदारी

मेयर के लिए 9 और पार्षद पद के 89 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद

सोनीपत। शहर के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचीं मातृशक्ति।

सोनीपत। मतदान के लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नगर निगम के मेयर और 22 वार्डों के पार्षदों को चुनने के लिए रविवार को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। लोकतंत्र के इस उत्सव में शहर के मतदाताओं ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। हालांकि इस बार मतदान प्रतिशत पिछले उपचुनाव के 28.8 प्रतिशत से बेहतर रहा, लेकिन वर्ष 2020 में हुए पहले आम चुनाव के करीब 60 प्रतिशत मतदान के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। जिले में कुल 48.1 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अब चुनावी मैदान में उतरे सभी उम्मीदवारों की राजनीतिक किस्मत ईवीएम मशीनों में कैद हो गई है, जिसका फैसला 13 मई को बीट्स मोहाना में होने वाली मतगणना में होगा।

- 13 को बीट्स मोहाना में होगी मतगणना, स्ट्रांग रूम के बाहर अर्धसैनिक बल तैनात किए

छह साल में तीसरी बार चुनाव

सोनीपत नगर निगम के इतिहास में छह वर्षों के भीतर यह तीसरी बार चुनाव हुआ है। वर्ष 2020 में निगम के पहले आम चुनाव में करीब 60 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके बाद मार्च 2025 में हुए मेयर पद के उपचुनाव में मतदान गिरकर महज 28.8 प्रतिशत रह गया था। इस बार आम चुनाव में मतदान का ग्राफ बढ़कर 48.1 प्रतिशत तक पहुंचा, लेकिन यह 2020 के स्तर तक नहीं पहुंच सका। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि बार-बार चुनाव होने के कारण मतदाताओं में कुछ हद तक उदासीनता देखने को मिली। इसके बावजूद 1.42 लाख से अधिक मतदाताओं का मतदान केंद्रों तक पहुंचना सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण रही। अब प्रशासन का पूरा ध्यान 13 मई को होने वाली मतगणना पर केंद्रित है। बीट्स कॉलेज मोहाना में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। स्ट्रांग रूम को सील कर दिया गया है और वहां 24 घंटे अर्धसैनिक बलों की तैनाती रहेगी। मतगणना के लिए अलग-अलग वार्डों के अनुसार टेबल लगाई जाएंगी, ताकि परिणाम जल्द घोषित किए जा सकें।

भाजपा-कांग्रेस में सीधा मुकाबला निर्दलीयों ने बढ़ाई रोचकता

मेयर पद के लिए इस बार मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है, लेकिन इनेलो और निर्दलीय उम्मीदवारों की मौजूदगी ने चुनाव को रोचक बना दिया। भाजपा की ओर से राजीव जैन अपनी जीत बरकरार रखने की कोशिश में हैं, जबकि कांग्रेस के कमल दिवान पिछली हार का बदला लेने के इरादे से मैदान में हैं। इनेलो की ओर से आनंद कुमार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों में रमेश कुमार खत्री, कमलेश कुमार सैनी, संत धर्मवीर चोटीवाला, अनल सिंघल, चांद राम और हवा सिंह भी मैदान में रहे। मेयर पद के 9 उम्मीदवारों के साथ 22 वार्डों के 89 पार्षद उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला भी इसी मतदान से होगा।

ईवीएम में खराबी से दो केंद्रों पर देर से शुरू हुआ मतदान

सोनीपत। नगर निगम चुनाव के दौरान रविवार सुबह दो मतदान केंद्रों पर ईवीएम में तकनीकी दिक्कत आने से मतदान प्रक्रिया प्रभावित रही। मशीनों में खराबी के चलते निर्धारित समय पर मतदान शुरू नहीं हो पाया, जिससे मतदाताओं को कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा। जानकारी के अनुसार मालवीय स्कूल और मॉडल टाउन स्थित मतदान केंद्रों पर मतदान शुरू होने से पहले ही ईवीएम ने काम करना बंद कर दिया। मौके पर मौजूद चुनाव कर्मचारियों ने तुरंत अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद तकनीकी टीम को बुलाया गया, करीब 45 मिनट से एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों ईवीएम को ठीक कर मतदान प्रक्रिया दोबारा शुरू करवाई गई।

वार्ड-19 में महिला को वोट कोई और डाल गया

नगर निगम चुनाव के दौरान वार्ड नंबर-19 में कथित फर्जी मतदान का मामला सामने आया है। मतदान करने पहुंची एक महिला को जब पता चला कि उनके नाम पर पहले ही वोट डाली जा चुकी है, तो वह हैरान रह गईं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि किसी ने ड्राइविंग लाइसेंस दिखाकर उनके नाम पर मतदान किया और मतदान रजिस्टर में अंग्रेजी में हस्ताक्षर किए गए, जबकि वह स्वयं हिंदी में हस्ताक्षर करती हैं।वार्ड नंबर-19 निवासी ज्योति विवेकानंद स्कूल में बनाए गए मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंची थीं। जब उन्होंने मतदान प्रक्रिया पूरी करने के लिए अधिकारियों से संपर्क किया, तो उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर पहले ही मतदान हो चुका है। यह सुनकर वह स्तब्ध रह गईं।ज्योति ने आरोप लगाया कि उनके पास कोई ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है। उन्होंने जांच की मांग की।

वार्ड-2 की वोट वार्ड-15 में पहुंची दंपति दिनभर भटकते रहे

वहीं दूसरी ओर सोनीपत के गीता भवन स्थित गीता विद्या मंदिर में बनाए गए मतदान केंद्र पर पहुंचे वार्ड-2 निवासी संदीप कुमार ने कर्मचारियों की लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि उनकी वोट दूसरे वार्ड में स्थानांतरित कर दी गई। संदीप कुमार ने बताया कि पहले उनकी और उनकी पत्नी सोनिया की वोट वार्ड-2 में थी। जब वे रविवार को अपने वार्ड के मतदान केंद्र पर पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि उनकी वोट वार्ड-15 में दर्ज कर दी गई है। इसके चलते दोनों दिनभर मतदान करने के लिए इधर-उधर भटकते रहे। संदीप कुमार और उनकी पत्नी सोनिया ने इस पूरे मामले पर रोष जताते हुए चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस मामले की जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के कर्मचारियों के कारण उन्हें व उनकी पत्नी को परेशानी उठानी पड़ी।

ग्रामीण क्षेत्रों में दिखा उत्साह शहरी वोटरों में रही उदासीनता

सोनीपत। नगर निगम चुनाव इस बार शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं का उत्साह फीका नजर आया, जबकि ग्रामीण इलाकों में लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। कुल 2,96,045 पंजीकृत मतदाताओं में से 1,40,231 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। रविवार सुबह 8 बजे 264 मतदान केंद्रों पर वोटिंग शुरू हुई, लेकिन शुरुआती दो घंटों में अधिकांश बूथों पर सन्नाटा पसरा रहा। सुबह 10 बजे तक केवल 1.7 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। इसके बाद धीरे-धीरे मतदान में तेजी आई और सुबह 11 बजे तक आंकड़ा 10.1 प्रतिशत तक पहुंच गया। दोपहर की गर्मी के कारण मतदान की रफ्तार फिर धीमी पड़ गई। दोपहर 1 बजे तक 21.6 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2 बजे तक यह बढ़कर केवल 22.4 प्रतिशत तक पहुंच पाया। शाम के समय मौसम थोड़ा सामान्य होने पर मतदाताओं ने फिर से बूथों का रुख किया। शाम 5 बजे तक मतदान प्रतिशत 40.1 तक पहुंच गया। अंतिम घंटों में मतदान केंद्रों पर फिर भीड़ देखने को मिली। कुछ केंद्रों पर शाम 6 बजे के बाद भी लाइनें लगी रहीं, जिसके चलते देर शाम तक मतदान जारी रहा। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार शुरुआती आंकड़ा 47.4 प्रतिशत था, लेकिन बाद में अंतिम मतदान प्रतिशत 48.1 दर्ज किया गया।

शुरुआती दो घंटों तक पसरा रहा सन्नाटा

मतदान के आंकड़ों पर नजर डालें तो दिनभर मतदान की रफ्तार उतार-चढ़ाव भरी रही। सुबह 8 बजे मतदान शुरू होने के बावजूद शुरुआती दो घंटों में केंद्रों पर सन्नाटा पसरा रहा। सुबह 10 बजे तक केवल 4915 मतदाताओं ने वोट डाला, जो कुल मतदान का महज 1.7 प्रतिशत था। इसके बाद 11 बजे तक मतदान में तेजी आई और आंकड़ा 29,931 वोट यानी 10.1 प्रतिशत तक पहुंच गया। ग्रामीण क्षेत्रों के बूथों पर इस दौरान अच्छी भीड़ देखने को मिली। दोपहर 12 बजे तक मतदान फिर धीमा पड़ गया और कुल 34,208 वोट के साथ प्रतिशत 11.6 तक पहुंचा। दोपहर 1 बजे तक 21.6 प्रतिशत मतदान हुआ, लेकिन गर्मी और भोजन अवकाश के कारण 2 बजे तक यह केवल 22.4 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया। दोपहर बाद मौसम थोड़ा सामान्य होने पर मतदाताओं ने फिर से बूथों का रुख किया। शाम 3 बजे तक मतदान 31.5 प्रतिशत और 5 बजे तक 40.1 प्रतिशत तक पहुंच गया। अंतिम घंटों में भी कई केंद्रों पर लाइनें लगी रहीं। शुरुआती आंकड़ों में मतदान 47.4 प्रतिशत बताया गया, लेकिन बाद में अंतिम मतदान प्रतिशत 48.1 दर्ज किया गया।

दुष्कर्म और अगवा करने के आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना सिविल लाइन पुलिस ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सूरज निवासी बागपत, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार 10 अप्रैल को सोनीपत निवासी एक महिला ने शिकायत दी थी कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ सूरज ने दुष्कर्म किया है। शिकायत के आधार पर थाना सिविल लाइन में भारतीय न्याय संहिता और पोक्सो अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।मामले की जांच महिला उप निरीक्षक विनित ने अपनी टीम के साथ की। पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज करवाए। साथ ही महिला विशेषज्ञ और लीगल एड के माध्यम से काउंसलिंग भी करवाई गई। जांच के बाद पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा

सोनीपत। मुरथल थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की को अगवा करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान प्रिंस निवासी गांव मुरथल, जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार 9 मई 2026 को सोनीपत निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसकी नाबालिग बेटी को प्रिंस अगवा कर ले गया है। शिकायत के आधार पर थाना मुरथल में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान उप निरीक्षक बृजपाल ने अपनी टीम के साथ कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की को बरामद कर लिया। इसके बाद लड़की के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज करवाए गए और महिला विशेषज्ञ व लीगल एड के माध्यम से काउंसलिंग करवाई गई। बयान के आधार पर मामले में पोक्सो अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गईं। बाद में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

12वीं की छात्रा ने घर में फंदा लगाया

- माता-पिता दोनों फैक्ट्री में काम करने गए थे शाम को वापस आए तो पंखे से लटकी मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र में शनिवार को 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में पंखे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

सबसे बड़ी थी सोनम

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का एक परिवार प्याऊ मनियारी क्षेत्र में किराये के कमरे में रह रहा है। परिवार में माता-पिता और उनकी 19 वर्षीय बेटी सोनम साथ रहते थे। सोनम अपने चार भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। उसके तीन छोटे भाई-बहन गांव में दादा-दादी के पास रहते हैं।

सोनम के माता-पिता शहर की एक फैक्टरी में काम करते हैं। शनिवार सुबह दोनों काम पर चले गए थे। देर शाम जब वे वापस कमरे पर लौटे तो उन्होंने बेटी को पंखे से लटका हुआ पाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मामले के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

बच्चियों के दिल का ऑपरेशन कराएगा स्वास्थ्य विभाग, 3.65 लाख रुपये के स्वीकृति पत्र सौंपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत दो बच्चियों के दिल का ऑपरेशन कराएगा। दोनों बच्चियों के इलाज पर करीब 3.65 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। विभागीय अधिकारियों ने बच्चियों के परिजनों को स्वीकृत राशि के पत्र सौंप दिए हैं, जिससे परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

आरबीएसके गोहाना के नोडल अधिकारी डॉ. चक्रवर्ती शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों की चार श्रेणियों में स्वास्थ्य जांच की जाती है। इसके अंतर्गत बच्चों, किशोरों और युवाओं में खून की कमी, कुपोषण, विटामिन-डी की कमी, जन्मजात बीमारियां, शारीरिक व मानसिक विकास में देरी समेत अन्य रोगों की पहचान की जाती है। इसके बाद मरीजों का इलाज स्थानीय स्तर से लेकर बड़े सरकारी और निजी अस्पतालों में विभाग के खर्च पर कराया जाता है। उन्होंने बताया कि विभागीय टीम को जांच के दौरान दो बच्चियों के दिल में छेद की समस्या मिली थी। इनमें एक बच्ची ढाई साल और दूसरी नौ साल की है। दोनों के इलाज के लिए मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। ढाई साल की बच्ची के ऑपरेशन पर 2.15 लाख रुपये और नौ साल की बच्ची के इलाज पर 1.50 लाख रुपये खर्च होंगे। दोनों बच्चियों का ऑपरेशन डेरा बस्सी स्थित अस्पताल में कराया जाएगा।

गोहाना। बच्ची के परिजनों को स्वीकृत राशि का पत्र सौंपते हुए डॉ. चक्रवर्ती शर्मा

बच्चों की नियमित जांच जरूरी : डॉ. शर्मा

डॉ. चक्रवर्ती शर्मा ने कहा कि बच्चों में जन्मजात और अन्य बीमारियों की संभावना बनी रहती है। अभिभावकों को बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए, ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाकर उपचार किया जा सके। विभाग द्वारा भी लगातार बच्चों की जांच और उपचार की व्यवस्था की जा रही है।

नौकरी का झांसा देकर महिला व उसके दिव्यांग बेटे के साथ ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नौकरी दिलाने के नाम पर एक महिला और उसके मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटे के साथ धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपित ने पहले नौकरी लगवाने का झांसा देकर रुपये ऐंठे और बाद में महिला के बैंक खाते का इस्तेमाल संदिग्ध लेनदेन के लिए किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- बैंक खाते का कथित दुरुपयोग कर संदिग्ध लेनदेन कराने की शिकायत, पुलिस जांच में जुटी

मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी

पटेल नगर निवासी निर्मला ने मुख्यमंत्री को दी शिकायत में बताया कि रोहित नामक युवक ने नौकरी लगवाने का कार्यालय खोल रखा था। अप्रैल 2025 में वह अपने बेटे वरुण की नौकरी के सिलसिले में उसके संपर्क में आई थीं। आरोप है कि रोहित ने दिल्ली में अनुबंध आधार पर नौकरी दिलाने का भरोसा देकर एक लाख रुपये मांगे। महिला के अनुसार उन्होंने अलग-अलग तारीखों में फोन-पे के माध्यम से कई किस्तों में रकम दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटे को केस में फंसाने की धमकी

शिकायत में कहा गया है कि आरोपित वरुण को कई बार दिल्ली भी लेकर गया। महिला का आरोप है कि उनके बेटे की मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर उसे अपने प्रभाव में लिया गया। इसी दौरान उनके एक्सिस बैंक खाते में अन्य लोगों से रुपये डलवाकर अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए गए। महिला ने आरोप लगाया कि बाद में कुछ लोगों ने उनके बेटे को फोन कर रुपये मांगने और केस में फंसाने की धमकी भी दी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

क्रेडिट कार्ड बनवाने का झांसा देकर सेवानिवृत्त प्रोफेसर से ठगे 1.50 लाख

सोनीपत। साइबर ठगों ने डीसीआरयूएसटी, मुरथल के एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर को क्रेडिट कार्ड का लालच देकर डेढ़ लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपितों ने अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी का प्रतिनिधि बनकर पहले वीडियो कॉल की और फिर मोबाइल हैक कर खाते से रकम निकाल ली। मामले की शिकायत साइबर थाना में दी गई है।मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर जोगिंद्र सिंह राणा ने पुलिस को बताया कि 8 मई को उनके मोबाइल पर वीडियो कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी का अधिकारी बताते हुए नया क्रेडिट कार्ड बनवाने का प्रस्ताव दिया। आरोपित ने दावा किया कि उनके मौजूदा एसबीआई क्रेडिट कार्ड की तुलना में नया कार्ड अधिक लिमिट और बिना अतिरिक्त शुल्क के मिलेगा।इसके बाद आरोपित ने व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी और उसे डाउनलोड करने के लिए कहा। फाइल डाउनलोड करते ही साइबर ठगों ने मोबाइल का एक्सेस हासिल कर लिया। कुछ ही देर बाद उनके खाते से दो बार में 75-75 हजार रुपये निकाल लिए गए। ठगी का पता चलते ही पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करवाई।

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है।

लोक संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी जनमानस की रगों में जो संस्कृति और दर्शन प्रवाहित होता है उसका सबसे मुखर और प्रमाणिक दस्तावेज हैं हरियाणवी रागनी। यह केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं हैं बल्कि यह उस सामाजिक ताने-बाने, नैतिकता, लोक-व्यवहार और जीवन-दर्शन का निचोड़ हैं जिसे सदियों से हरियाणा के ग्रामीण आंचल ने जिया है।

जब हम हरियाणवी रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य का अध्ययन करते हैं तो पाते हैं कि हरियाणवी लोक-कवियों और सांगी कलाकारों ने समाज के हर सूक्ष्म पहलू को अपनी लेखनी से छुआ है। चाहे वह मित्रता की मर्यादा हो, गरीबी का दंश हो, भक्ति का मार्ग हो या पारिवारिक रिश्तों की कड़वाहट और मिठास। लोकाचार का अर्थ है, वह व्यवहार जो समाज में प्रचलित हो और जिसे नैतिकता की कसौटी पर परखा गया हो। हरियाणा की माटी के इन लोक-कवियों ने अपनी रागनियों के माध्यम से समाज को आईना दिखाने का काम किया है। इन रचनाकारों ने ग्रामीण परिवेश की शब्दावली में उन गूढ़ रहस्यों को प्रकट किया है, जिन्हें समझने के लिए बड़े-बड़े ग्रंथों की आवश्यकता पड़ती है। लोकाचार में सत्य की महिमा सर्वोपरि है, लेकिन सत्य का मार्ग कितना कठिन है और मानवीय स्वभाव में अविश्वास की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका सजीव चित्रण बाजे भगत की लेखनी में मिलता है।

साची बात कहण म्हं सखी होया करै तकरार
दगाबाज बेरहम बहन ना मरदां का इतवार
धन माया के बारे म्हं किसे बिरले तै दिल डाट्या जा सै
जो तने दे दिया राज दान म्हं, मेरे तै के नाट्या जा सै

यहां कवि ने न केवल सामाजिक तकरार की बात की है, बल्कि बिरले व्यक्तियों के माध्यम से उस ऊंचे चरित्र की ओर संकेत किया है जो मोह-माया से मुक्त है। सामाजिक मूल्यों में वचन और दान की महत्ता को बाजे भगत सर्वोपरि मानते हैं।

समाज में आर्थिक स्थिति और मानवीय संबंधों के अंतर्संबंधों पर जब हम विचार करते हैं, तो पं. मांगे राम का दर्शन एक कठोर सत्य बनकर उभरता है। हरियाणा के लोक साहित्य में दरिद्रता को केवल भौतिक अभाव नहीं माना गया, बल्कि इसे समस्त दुखों की जननी और रिश्तों के बिखराव का कारण बताया गया है। मांगे राम के शब्दों में लोकाचार का यह पक्ष अत्यंत मर्मस्पर्शी है :

टोट्टे आळे माणस का पिया नहीं किसे संग प्यार रहै
मां का जाया दुश्मन बणज्या हरदम खाए खार रहै
बोल में बोल मिलै ना किसे का न्यू घर म्हं तकरार रहै
काम म्हं बरकत कती नहीं जब धुर तै पाटी सार रहै

लोककवि मांगे राम यहां गरीबी के उस मनोविज्ञान को पकड़ रहे हैं, जहां अभाव में मनुष्य का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और सगे भाई-बंधु भी दूरी बना लेते हैं। यह लोकाचार का वह यथार्थवादी पक्ष है जो समाज को आर्थिक रूप से सशक्त होने और स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा देता है। वे सामाजिक मूल्य के रूप में आत्मसम्मान को जीवन से भी ऊंचा स्थान देते हैं।

धर्म और पाखंड के बीच की महीन रेखा को समझना भी लोकाचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुंशी राम जांडली उन ढोंगी लोगों पर प्रहार करते हैं जो केवल शब्दों का जाल बुनकर समाज को गुमराह करते हैं। उनकी दृष्टि में दिखावटी ग्रंथ रचना की अपेक्षा लोक-कल्याण ही वास्तविक धर्म है :

घरां बैठ के ग्रंथ बणा ले झूठ चलावण लागे
जीभ चटोरे ऊत लुटेरे जाल फैलावण लागे

इस कटाक्ष के समानांतर जब हम मेहर सिंह की रचना को देखते हैं, तो हमें धर्म का वास्तविक और सकारात्मक पक्ष दिखाई देता है। मेहर सिंह के अनुसार धर्म कोई बंधन नहीं, बल्कि वह प्रकाश है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को मिटाता है :

नजर फला कै देख लिए नित पेड़ धर्म का फलता है
सत का तेल घलै दीपक मैं तो ज्ञान उजाला जलता है
धर्म के फंदे मैं फंस कै मन नहीं हिलाया हिलता है
अच्छी शोभत वाले को पिया अच्छा ही फल मिलता है

मेहर सिंह यहां संदेश देना चाहते हैं कि सत यानी सत्य का आचरण ही वह तेल है जिससे ज्ञान का दीपक प्रज्ज्वलित रह सकता है।

मानवीय स्वभाव की कोमलता और अटूट विश्वास की बात करते हुए रामकिशन व्यास ने जो उदाहरण दिए हैं, वे लोक-बुद्धि की पराकाष्ठा हैं। वे समझाते हैं कि कुछ चीजें जीवन में इतनी नाजुक होती हैं कि एक बार की लापरवाही उन्हें सदैव के लिए नष्ट कर सकती है :

मन मौती और दुध बताया इनका एक सुभा से
पाटे पिछे फेर मिले ना यो कुदरत का न्या सै

यह उपमा लोकाचार की उस मर्यादा को स्थापित करती है, जहां व्यक्ति को अपने शब्दों और आचरण के प्रति अत्यंत सजग रहना चाहिए। मन का फटना समाज में अविश्वास की खाई पैदा करता है जिसे फिर कभी भरा नहीं जा सकता। यहां विश्वास को सबसे बड़े सामाजिक मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

पंडित लखमीचंद, जिन्हें हरियाणा का सूर्य कवि कहा जाता है, उन्होंने मित्रता की आड़ में छिपे पाखंड और स्वार्थ को अत्यंत स्पष्टता के साथ चित्रित किया है। उनकी दृष्टि में मित्रता एक तपस्या है, लेकिन कलयुगी समाज में इसे केवल स्वार्थ सिद्धि का साधन बना लिया गया है :

नई-नई यारी लागै प्यारी दोष पाछले ढक ले
मतलब खात्यर यार बणें फेर थोड़े दिन में छिक ले
नहीं जाणते फर्ज यार का पाप पंक में पक ले
कैं तैं खाज्यां धन यार का ना बाहण बहू नै तक ले
करें बहाना यारी का इसे यार बणे हांडे सैं

लखमीचंद की यह चेतावनी समाज के नैतिक पतन की ओर इशारा करती है। वे उन मर्यादाओं की याद दिलाते हैं, जहां मित्र के परिवार को अपना परिवार समझा जाता था। यहां शुद्ध आचरण और निःस्वार्थ प्रेम जैसे सामाजिक मूल्यों पर बल दिया गया है।

> *विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है।*

सामाजिक विडंबनाओं और न्याय के अंतर्विरोधों पर हरिकेश पटवारी का चिंतन अत्यंत गहरा है। वे देखते हैं कि समाज अक्सर उन लोगों के प्रति निष्ठुर हो जाता है जो सीधे और सरल होते हैं :

शुद्ध स्वतंत्र संतोषी, महाकष्ट विपत भरते देखे
डूबे सुने तैराक बली, कायर के हाथ मरते देखे
चालबाज बदमाश मलंग से, बड़े-बड़े डरते देखे
शील संत और साधारण का, सब मखौल करते देखे

पटवारी जी इस रचना के माध्यम से उस कड़वी हकीकत को बयां करते हैं, जहां सज्जनता को कमजोरी का पर्याय मान लिया जाता है। लोकाचार का यह पक्ष हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हम वास्तव में गुणों का सम्मान करने वाला समाज बना पाए हैं?

पारिवारिक नैतिकता और माता-पिता के प्रति कर्तव्यों की जब बात आती है, तो ज्ञानी राम शास्त्री की रागनी एक कालजयी उपदेश बन जाती है। वे उस पाखंड को जड़ से मिटाने की बात करते हैं जो जीवित अवस्था में तिरस्कार और मृत्यु के पश्चात सम्मान का प्रदर्शन करता है:

मात पिता के मरे बाद आंसू टपकाकै के होगा
जिन्दें जी जूते मारे फेर फूल चढ़ाकै के होगा
कहणा मन्या नहीं कदे फेर तिलक लगणा ठीक नहीं
छुए कोन्या पैर कदे फेर शीश झुकाणा ठीक नहीं

यह रचना हरियाणा के उन मूल संस्कारों का प्रतिनिधित्व करती है, जहां पितृभक्ति को ही सबसे बड़ा तीर्थ माना गया है। लोकाचार का यह अनिवार्य हिस्सा है कि व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहे, न कि कर्मकांडों के पीछे भागे। यह सामाजिक मूल्यों की आधारशिला है।

अंत में, विद्या और ज्ञान के अर्जन के लिए आवश्यक अनुशासन और विनम्रता पर निहाल चंद निहाल का दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे स्पष्ट करते हैं कि ज्ञान कोई स्थिर वस्तु नहीं है, बल्कि यह निरंतर अभ्यास की मांग करता है :

मुख पै करूं सराहना इसकी, विद्या का नहीं ध्यान धरै।
ऐसी बुद्धि हो ज्यागी जैसे, बिन मांजी तलवार जरै।
बिना घमण्ड अभ्यास करे तै, विद्या का भण्डार भरै।
ऋषि मुनि कहते आवैं, अभिमान ज्ञान का नाश करै।

निहाल चंद निहाल की यह पंक्तियां समझाती हैं कि बुद्धि और विद्या को निरंतर मांजना पड़ता है, अन्यथा वे जंग लगी तलवार की तरह निष्प्रभावी हो जाती हैं। यहां विनम्रता और निरंतरता को बौद्धिक सामाजिक मूल्य के रूप में स्थापित किया गया है। विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है। भिन्न-भिन्न कालखंड में बाजे भगत से लेकर निहाल चंद निहाल जैसे सभी लोक-कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को एक नैतिक दिशा देने का प्रयास किया है।

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है। जब तक ये स्वर गूंजते रहेंगे, समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की रक्षा होती रहेगी। यह आलेख इन महान लोक-कवियों की उस दूरदर्शिता को समर्पित है जिन्होंने लोक-भाषा में जीवन के गूढ़ रहस्यों को पिरोकर हमें सौंप दिया है ताकि हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकें और एक न्यायप्रिय व सुसंस्कृत समाज का निर्माण कर सकें।

रागिनी **शकुन्तला काजल 'शकुन'**

दिल मैं वतन समाज्यागा

भारत की सेवा की जिस दिन, जन-जन कसम उठाज्यागा,
दुनिया के म्हाँ देश हमारा..सब तैं आगै आज्यागा..।

देशद्रोही और आतंकी, घणी कर चुके हैं नौटंकी!
मारे जां ये सारे सनकी दुश्मन भी भय खाज्यागा।
दुनिया के म्हाँ.........।

जात-पात न भाषा देखो, न धर्म के नाम तमाशा देखो !
देशप्रेम रस पी कै देखो-दिल म्हँ वतन समाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.............।

हीरे-मोती से अपणे टाबर, छोरा-छोरी एक बराबर!
देवां संस्कार पावाँगे आदर मजा रै जीणै का आज्यागा...
दुनिया के म्हाँ........।

योग कर्म जग करणे लगज्या, हर घर की तस्वीर संवरज्या !
जग म्हँ विश्व गुरु का दर्जा-हट कै भारत पाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.........।

नवाचार की अलख जगावाँ, नवभारत निर्माण करावाँ!
जन-गन-मन सब मिल कै गावाँ-राष्ट्र ध्वज इतराज्यागा..!
दुनिया के म्हाँ देश हमारा सब तैं आगै आज्यागा. ..!!!

रागिनी **त्रिलोक चंद फतेहपुरी**

नुगरे नाग

देश मैं पळ रहे नुगरे नाग।
मार रहे फुंकाड़ वो जालिम उगल रहे हैं आग।

कुछ काळै कुछ चितकबरें से
पिवण साँप की ज्यूँ बिफरे से
कुंडली मार के बैठे हैं कई
इधर-उधर को बिखरे से
निर्दोषों कै डंक मार कै, फोड़ रहे हैं भाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई लांबे, कई मोटे -मोटे
नोंच -नोंच कै खावै बोटें
चादर ओढ़े भळ मणसी की
मन के उजले कर्म हैं खोटे
उनकी चालबाजियों से ही, उजड़े कई सुहाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई पिलपिले मगर हठीले
लांबी पूँछ अर दाँत नुकीले
मार - मार फण कर दें बेदम
वे बेरहम बड़े जहरीले
जहर उगल कर बुझा रहे हैं, जलते हुए चिराग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कुछ फणधारी कुछ मणीधारी
धन बल, छल बल के भंडारी
बदल - बदल कर अपणी केंचुली
लूट रहे हैं दौलत म्हारी
कर ले बंद पिटारी में उन्हें, ओ त्रिलोकी जाग।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहनावा

कला और सौंदर्य के गहरे पारखी थे हमारे पूर्वज, प्रदेश की अमूल्य विरासत के संरक्षण की शिद्दत से दरकार

आभूषणों में सिमटी गौरवशाली हरियाणवी विरासत

श्रृंगार **सरिता**

हरियाणा की पावन धरा अपनी वीरता और कृषि प्रधान संस्कृति के साथ-साथ अपने अद्वितीय पहनावे और आभूषणों के लिए भी सारी दुनिया में एक विशेष पहचान रखती है।

यहां की माटी का सोंधापन यहां की महिलाओं के आभूषणों में भी झलकता है। हरियाणवी आभूषण केवल स्वर्ण या रजत के निर्जीव टुकड़े न होकर हरियाणवी लोक-जीवन, रीति-रिवाजों और पूर्वजों की कलात्मक सोच का जीवंत साक्ष्य हैं। यदि हम हरियाणवी देहात के पुराने संदूकों की धूल झाड़कर उन्हें खोलें, तो उनमें से ऐसी शिल्पकारी निकलती है जो आज के दौर के आधुनिकतम ज्वेलरी डिजाइनों को भी मात देने की क्षमता रखती है। यह आभूषण यहां की नारी के स्वाभिमान, उसके सुहाग की लंबी आयु और परिवार की संपन्नता के मौन उद्घोषक रहे हैं। हरियाणवी महिला के श्रृंगार की यात्रा मस्तक से आरंभ होकर पैरों की उंगलियों तक एक शास्त्रीय क्रम में चलती है। मस्तक का सबसे गौरवशाली आभूषण बोरला रहा है। लट्टू के आकार का यह गहना सुहाग का प्रतीक होने के साथ-साथ चेहरे को एक विशिष्ट सौम्यता प्रदान करता है। प्राचीन समय में इसके साथ कोड़ी और जूड़ा जैसे आभूषणों का प्रयोग बालों को सहेजने के लिए किया जाता था। माथे पर सुशोभित शीशफूल और विशेष रूप से प्राचीन काल में प्रचलित मुख का छाज चेहरे की आभा को इस प्रकार ढकते और उभारते थे कि देखने वाले को राजसी वैभव का बोध होता था। माथे पर सिंदूरी बिंदी और आंखों में दीये की लौ से पाड़ी गई स्याही यानी काजल

की गहरी धार, ग्रामीण सौंदर्य को एक नया आयाम देती थी। कानों में पहने जाने वाले डाण्डे, बुजनी, और करणफूल न केवल कान की शोभा बढ़ाते थे, बल्कि सोने के बुन्दे और झुमकों की झंकार खेतों में काम करते समय भी एक लयबद्ध मधुरता घोलती थी। नाक में पहनी जाने वाली बड़ी नथ और छोटी लौंग या कोका सुहागिन स्त्री के मुख मंडल पर चमक बिखेरते थे। गले के आभूषणों की बात करें तो यहां की विविधता चकित कर देने वाली है। पुराने समय में हंसली का बहुत महत्व था, जो चांदी का एक ठोस और भारी गोलाकार आभूषण होता था। इसके अतिरिक्त झालरा, जो चांदी के सिक्कों की एक लंबी लड़ी होती थी, ग्रामीण महिलाओं का सबसे प्रिय आभूषण रहा है। यह झालरा छाती पर लहराते हुए एक विशेष प्रकार का संगीत पैदा करता था। हरियाणवी लोकगीतों और रागिनियों में वर्णित गलश्री, जुगनी और कण्ठी जैसे आभूषण नगीनेदार सुंदरता के पर्याय रहे हैं। चम्पा कली की बहार और सीने पर पड़्या हुआ जंजीरा चोंकी वाला हार उस समय के सामाजिक रसूख और वैभव को दर्शाता था। मटर माला और गुल्बन्द जैसे आभूषण मखमल के कपड़े पर सोने की टिकियों को जड़कर तैयार किए जाते थे, जो गले से सटे रहकर सौंदर्य को दोगुना कर देते थे।

हाथों और बांहों के श्रृंगार में हरियाणा का कोई सानी नहीं है। यहां बांह के ऊपरी हिस्से पर पहने जाने वाले बाजूबन्द, सितोल और बाजू चौंक जैसे भारी आभूषणों का चलन रहा है। टाड़, जो चांदी का एक अत्यधिक भारी और ठोस कड़ा होता था, महिला के धैर्य और सामर्थ्य का भी प्रतीक था। कलाई पर सजे गजरे, पोंहची, परीबन्द और चूड़ियों का रंग निराला ही होता था। कांगनी और तिरैया जैसे आभूषण हाथों की उंगलियों तक एक प्रवाह बनाते थे। विशेष रूप से आरसी, जो अंगूठे में पहनी जाने वाली एक अंगूठी होती थी और जिसमें एक छोटा दर्पण जड़ा होता था, घूंघट प्रथा के उस दौर में महिला के लिए अपना मुख और पीछे का दृश्य देखने का एक चतुर और सुंदर माध्यम थी। हथफूल की लड़ियां जब हथेली के पीछे सजती थीं, तो वह किसी शिल्पकला के नमूने जैसा प्रतीत होता था। कमर का सबसे महत्वपूर्ण आभूषण तगड़ी है, जिसे करधनी भी कहा जाता है। चांदी की बनी यह भारी तगड़ी जब घाघरे के ऊपर बांधी जाती थी, तो वह शरीर के संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ कमर की सुंदरता को भी उभारती थी। तगड़ी के साथ लटकता तालियों का गुच्छा और चांदी का बाजणा नाड़ा चलते समय एक विशेष धमक पैदा करता था। पैरों के आभूषणों में तो जैसे पूरा लोक-संगीत ही सिमट आता था। चांदी की भारी झांझर, नेवरी और रमझोल की झंकार जब गलियों में गूंजती थी, तो ऐसा लगता था मानो सावन की फुहारें बरस रही हों। पैरों की उंगलियों में सुशोभित बिछुए और चुटी सुहाग का अटूट हिस्सा माने जाते थे।

आधुनिक युग में समय की गति के साथ पहनावे और आभूषणों की पसंद में बड़ा परिवर्तन आया है। मशीनी युग के हल्के आभूषणों ने इन भारी और ठोस हस्तनिर्मित कलाकृतियों की जगह ले ली है। यह समझना अनिवार्य है कि ये आभूषण केवल सजावट की वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक पहचान की जड़ें हैं। ये हमें बताते हैं कि हमारे पूर्वज कला और सौंदर्य के कितने गहरे पारखी थे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी इस अमूल्य विरासत का संरक्षण करें।

सिनेमा बिजनेस नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी : वारिस

कलाकार **डॉ. तबस्सुम जहां**

वारिस इब्न फ़ारूक़ मेवात में जन्मे एक फ़िल्म निर्देशक हैं। इनका परिवार तब्लीगी जमात से ताल्लुक रखता है और जिस वातावरण से वे आते हैं, वहां फ़िल्मी दुनिया में जाना सकारात्मक नहीं माना जाता। वारिस का बचपन से ही सिनेमा के प्रति लगाव था। उन्होंने अपने बड़े भाई से प्रेरित होकर डीवीडी के ज़माने से ही हॉलीवुड की फ़िल्में देखना शुरू किया।

मदरसे में पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन सिनेमा की ओर आकर्षित हुआ, लेकिन परिवार की उम्मीदों और डर ने उन्हें इससे दूर रखा। उन्होंने लॉ की पढ़ाई की, लेकिन अंदर से सिनेमा की चाह खत्म नहीं हुई। एक दोस्त के ज़रिये उन्हें एक अवसर मिला और उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए सुपवा में एडमिशन लिया और फ़िल्म निर्माण इंडस्ट्री में कदम रखा। धीरे-धीरे उनके परिवार को उनकी गतिविधियों का पता चला, जिससे उनका परिवार बेहद नाराज़ हो गया। वारिस ने अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश जारी रखी। उन्होंने अपनी यात्रा को एक साहसिक कदम के रूप में देखा, जिसमें उन्होंने कई बाधाओं का सामना किया। शुरुआत में उन्हें डायरेक्शन और एडिटिंग का ज्ञान नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने वहां साउंड और सिनेमैटोग्राफी के बारे में सीखा। उन्होंने सुपवा में शॉर्ट फ़िल्म बनाई, जो कुछ

फेस्टिवल्स में पहचानी गई, जिसमें इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित एक फ़िल्म भी शामिल थी। इस प्रक्रिया में उनके परिवार का समर्थन महत्वपूर्ण रहा। वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था। इसके बाद उन्होंने अन्य फ़िल्मों जैसे 'क़रीन' और 'ज़रक' का निर्माण किया। कॉलेज में उन्हें दो डिग्री फ़िल्म बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वारिस वर्तमान हरियाणवी सिनेमा पर चर्चा करते हुए बताते हैं कि यह सिनेमा अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसकी आलोचना करने के बजाए इसे समझने की ज़रूरत है। अब धीरे-धीरे फ़िल्मों में सुधार आ रहा है और "दादा लखमी" जैसी फ़िल्में बेहतर तरीके से बन रही हैं। फिर भी हरियाणा में कम बजट और कलाकारों के शोषण की समस्या है, जिससे उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता। इसके बावजूद हरियाणा में काफ़ी प्रतिभा है और भविष्य में सिनेमा के बेहतर होने की उम्मीद है। वारिस ने हरियाणा स्टेज के साथ तीन प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर काम किया है—वेब सीरीज़ "मेवात" (लेखक-निर्देशक), फीचर फ़िल्म "अंडा गैंग" (निर्देशक) और डॉक्यूमेंट्री "ऑपरेशन मेवात" (एसोसिएट डायरेक्टर)। उन्होंने यशपाल शर्मा के साथ इंडिपेंडेंट फ़िल्म "रावण" भी बनाई है, जो जल्द ही एक अच्छे प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा वे डी.डब्ल्यू. न्यूज़ और अल जज़ीरा जैसे अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों के लिए कई डॉक्यूमेंट्रीज़ बना चुके हैं। उन्हें "मेवात" के लिए बेस्ट

> **वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था।**

डायरेक्टर और "मिराज" व "वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप" जैसी शॉर्ट फ़िल्मों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिल चुके हैं। सरकार हरियाणा में जो फ़िल्म पॉलिसी लेकर आई है, उस संदर्भ में वारिस बताते हैं कि यह एक सकारात्मक पहल है, लेकिन स्ट्रगलिंग फ़िल्ममेकर्स के लिए इसमें डायरेक्ट एक्सेस की कमी और नेटवर्क पर निर्भरता साफ़ दिखाई देती है। इसका लंबा और औपचारिक प्रोसेस समय और संसाधन दोनों की मांग करता है, जिससे काम की गति धीमी हो जाती है। इस पर निर्भर रहने के बजाय प्रोड्यूसर्स के साथ काम करना ज़्यादा व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प है।

इनका मानना है कि आजकल रियलिटी और सामाजिक मुद्दों पर अधिक फ़िल्में बन रही हैं, लेकिन सामाजिक मुद्दों पर फ़िल्में बनाते समय बायस के कारण संतुलन खो जाता है और वे प्रोपेगेंडा जैसी लगने लगती हैं, जबकि सिनेमा में ज़िम्मेदारी और बैलेंस बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया, "और सच कहूँ तो मैं खुद भी अभी तक वैसी फ़िल्म नहीं बना पाया हूं, जिस पर गर्व कर सकूं।" उनके शब्दों में- 'दादा लखमी' जैसी फ़िल्में न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि संस्कृति और विरासत को ईमानदारी से सामने लाकर इंडस्ट्री को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं।' नए लोगों के बारे में वारिस का कहना है कि सिनेमा सिर्फ़ बिज़नेस नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है, इसलिए जो भी बनाओ, उसे पूरी ईमानदारी और समझदारी के साथ बनाओ।

खबर संक्षेप

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व कार्यक्रम आज

सोनीपत। भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था एवं राष्ट्र स्वाभिमान को समर्पित 11 मई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। यह कार्यक्रम शंभू दयाल शिक्षा सदन स्थित शिव मंदिर परिसर में अत्यंत भव्य एवं दिव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। इस दौरान राई से विधायक कृष्णा गहलावत, सोनीपत से विधायक निखिल मदान, गन्नौर से विधायक देवेन्द्र कादियान तथा खरखौदा से विधायक पवन खरखौदा भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लोगों को संबोधित करेंगे।

आज निकाली जाएगी टेक जागरूकता रैली

गन्नौर। एसआरके स्किल सेंटर द्वारा युवाओ को तकनीक, डिजिटल शिक्षा एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 11 मई को "टेक जागरूकता एवं सामाजिक चेतना रैली" का आयोजन किया जाएगा। संस्था के संस्थापक एवं प्रमुख जोगेंद्र राजपूत ने बताया कि रैली के शुभारंभ कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र कादियान, एचकेसीएल पंचकूला के क्षेत्रीय प्रबंधक जितेंद्र नेगी, कार्यक्रम समन्वयक आशीष, मनोज, भावना जाग्या, समाज सेवी हरीश वाधवा, पूर्व पार्षद अंकित मल्होत्रा भी विशेष रूप से शामिल होंगे। जोगेंद्र सिंह ने बताया कि रैली का शुभारंभ गन्नौर जीटी रोड गन्नौर से होगा तथा समापन रेलवे स्टेशन गन्नौर पर किया जाएगा। रैली में टीम एसआरके के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी और युवा भाग लेंगे।

शिविर में 90 नागरिकों ने कमाया रक्तदान का पुण्य

गोहाना। रविवार को टिकाना श्री सति भाई साईं दास सेवा कलानौर के ब्रह्मलीन महंत सतीश दास महाराज की पुण्यतिथि पर शहर के मुगलपुरा की टीटू धर्मशाला में रक्तदान शिविर व कढ़ी-चावल का भंडारा लगाया गया। शिविर में 90 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य कमाया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने कढ़ी-चावल के साथ लड्डू का प्रसाद ग्रहण किया और जलजीरा का सेवन करके गर्मी में अपने गले को ठंडा किया। यह कार्यक्रम सति भाई साईं दास सेवा दल द्वारा आयोजित किया गया।

मतदान केंद्रों पर दिखा पुलिस का मानवीय चेहरा

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम चुनाव के दौरान रविवार को पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। वहीं कई मतदान केंद्रों पर पुलिस का संवेदनशील और सहयोगी चेहरा भी देखने को मिला। जहां आम तौर पर पुलिस वालों को सख्ती व बेरूखी से पेश आने वाला समझा जाता है, वहीं आज मतदान केंद्रों पर पुलिस का एक मानवीय रूप भी दिखाई दिया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों ने दिव्यांगजनों, बुजुर्ग मतदाताओं व जरूरतमंद नागरिकों की सहायता कर उन्हें मतदान प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया।

जीवन में मां के महत्व पर प्रकाश डाला

मातृ दिवस माताओं के त्याग व प्रेम का प्रतीक : जगमहेंद्र

गोहाना। मातृ दिवस मनाते हुए समिति के सदस्य व ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

सबसे पहले सन 1908 में मनाया था मातृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

ग्राम सुधार समिति खन्दराई द्वारा गांव में मातृ दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में माताओं के साथ ग्रामीणों में प्रसाद वितरण किया गया और जीवन में मां के महत्व पर प्रकाश डाला गया। समिति खन्दराई के संस्थापक अध्यक्ष जगमहेंद्र सिंह ने कहा कि यह दिन माताओं के त्याग, प्रेम और समाज में उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। सबसे पहले सन 1908 में एना जार्विस नामक अमेरिकी महिला ने अपनी मां को प्यार और सम्मान देने के लिए मातृ दिवस मनाया था। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने 1914 में मई महीने के दूसरे रविवार को हर साल राष्ट्रीय मातृ दिवस मनाने की औपचारिक घोषणा की थी। यही कारण है कि मातृ दिवस हर साल मई महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष कुलदीप मेहरा, प्रताप सिंह, बिट्टू कश्यप, जयभगवान, रोहतास, बिजेंद्र सिंह, भरपल देवी, कृष्णा देवी, दर्शना देवी, गीता देवी, सुमन देवी, बबीता देवी व कमलेश मौजूद रहे।

शिवा शिक्षा सदन में मातृ दिवस पर भावनात्मक कार्यक्रम

सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन विद्यालय में मातृ दिवस उत्साह और भावनात्मक माहौल के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की माताओं और नन्हे शिवियन्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत और अभिनंदन से हुई। इस अवसर पर माताओं के लिए कई मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें रैम्प वॉक, टैलेंट हंट, मास्टरशेफ प्रतियोगिता और तंबोला गेम मुख्य आकर्षण रहे। रैम्प वॉक में माताओं ने आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति दी, जबकि टैलेंट हंट में गायन, नृत्य और अन्य प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा दिखाई। मास्टरशेफ प्रतियोगिता में स्वाद और रचनात्मकता का सुंदर मेल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी माताओं को उपहार देकर सम्मान और प्यार व्यक्त किया, जिससे माहौल भावुक हो गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा बहल ने सभी माताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि मां बच्चे की पहली गुरु होती है, जो उसे संस्कार और जीवन मूल्य सिखाती है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी माताओं का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार जताया।

सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन में कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्रा अपनी माता के साथ।

माताएं परिवार की नींव होती हैं : रमेश वर्मा

गोहाना। सेक्टर-7 के पार्क में रविवार को मातृ दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा की शहरी ईकाई के अध्यक्ष सुभाष वर्मा की पत्नी एवं पूर्व नगर पार्षद रमेश वर्मा थीं। उन्होंने कहा कि माताएं परिवार की नींव होती हैं जो प्रेम और स्नेह से सबको जोडक़र रखती हैं। माता के निःस्वार्थ प्रेम, बलिदान और परिवार में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देने का एक विशेष अवसर होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता बुजुर्ग माता राजबाला देवी ने की। उन्होंने कहा आप अपने बुजुर्गों को प्यार और सम्मान दोगे तो आपके बच्चों से भी आपको सम्मान प्राप्त होगा। हम जैसा बोएंगे। मार्गदर्शन मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी का रहा। इस अवसर पर सुभाष वर्मा, सोनू सैनी, शकुंतला देवी, अंग्रेजो देवी, तारावती देवी, पतासो देवी, बेदो देवी, शरबती देवी, श्रृंगार देवी, ओमपति देवी, मनकोर देवी व श्यामल देवी

मनरेगा बहाली को लेकर देशव्यापी हड़ताल का समर्थन करेगी सीपीआई

गन्नौर। राज्य सचिव कामरेड दरियाव सिंह कश्यप और प्रदेश सह सचिव कामरेड सत्येंद्र गिरी एडवोकेट बैठक को संबोधित करते हुए ।

- अध्यक्षता कामरेड कृष्ण गिरी ने की, जबकि संचालन एरिया सचिव कामरेड सतबीर कश्यप ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की गन्नौर एरिया कौंसिल की बैठक शनिवार को गांव दातौली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कामरेड कृष्ण गिरी ने की, जबकि संचालन एरिया सचिव कामरेड सतबीर कश्यप ने किया। बैठक में मनरेगा को बहाल करने तथा वीबीजी ग्राम योजना को रद्द करने की मांग को लेकर 15 मई को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल का समर्थन करने का निर्णय लिया गया। सीपीआई के राज्य सचिव कामरेड दरियाव सिंह कश्यप और प्रदेश सह सचिव कामरेड सत्येंद्र गिरी एडवोकेट ने कहा कि मनरेगा कानून ग्रामीण मजदूरों और गरीब तबके को रोजगार की गारंटी देने के उद्देश्य से यूपीए-1 सरकार के दौरान वामपंथी दलों के समर्थन से लागू किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अब मनरेगा को कमजोर कर नई वीबीजी ग्राम योजना लागू करने की तैयारी कर रही है। मनरेगा योजना के तहत नई योजना में केंद्र सरकार केवल 60 प्रतिशत राशि देगी तथा कार्यों का निर्धारण सरकार करेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास दोनों प्रभावित होंगे। विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि 15 मई को मनरेगा मजदूरों की देशव्यापी हड़ताल का समर्थन करते हुए गन्नौर क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक सरपंचों के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

शिव मंदिर पार्क में रक्तदान शिविर, 145 यूनिट रक्त एकत्रित

गन्नौर। लायंस क्लब गन्नौर गौरव द्वारा रेलवे रोड स्थित शिव मंदिर पार्क में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में काफी संख्या में युवाओं व सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर में लायंस ब्लड बैंक की टीम ने 145 यूनिट रक्त एकत्रित किया। क्लब की अध्यक्ष भावना नीरज जग्या ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा समाजहित में आगे भी इसी प्रकार सहयोग करने का आह्वान किया। भावना नीरज जग्या ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलता है।

मुख्य बाजार और मुख्य मार्गों पर दुकानों के आगे कूड़े के ढेर जमा हुए

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते शहर में गंदगी का साम्राज्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

नगर पालिका सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर अब शहर की सफाई व्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है। शहर के मुख्य बाजार और मुख्य मार्गों पर दुकानों के आगे कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि कई दुकानदार जमा कूड़े से उठ रही बदबू और फैल रही गंदगी से परेशान होकर उसी कूड़े में आग लगाने को मजबूर हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कई दिनों से कूड़ा नहीं उठाए जाने के कारण बाजारों में गंदगी का अंबार लग गया है। दुकानदारों का कहना है कि कूड़े से निकल रही दुर्गंध के कारण ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं आग लगाने से उठने वाला धुआं आसपास के लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सफाई व्यवस्था को जल्द बहाल किया जाए, ताकि लोगों को गंदगी और प्रदूषण से राहत मिल सके। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। वहीं खुले में कूड़ा जलाने से जहरीला धुआं फैलने के कारण वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। अब देखना है कि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल और बिगड़ती सफाई व्यवस्था को लेकर प्रशासन क्या कदम उठाता है।

दुकानों के आगे कूड़े के ढेर में लगाई गई आग।

पेयजल संकट व खाद उपलब्धता पर जताई चिंता

- किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू (अ) की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) की मासिक बैठक खेड़ी रोड जाट धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष बलजीत मलिक ने की, जबकि जिला प्रधान जयभगवान मलिक विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में किसानों व ग्रामीणों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। गांव पुगथला में पेयजल संकट का मुद्दा प्रमुखता से उठाया कि ग्रामीणों का आरोप है कि गांव का भूमिगत पानी दूषित हो चुका है और सरकार द्वारा लगवाए गए ट्यूबवेल का पानी भी कई घरों तक नहीं पहुंच पा रहा। अभी तक समाधान नहीं हुआ। किसानों ने सरकार से मांग की कि धान की बिजाई और रोपाई के सीजन से पहले डीएपी और यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में अगवानपुर रेलवे फाटक पर बन रहे अंडरपास का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों ने कहा कि लंबे समय से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है, जिससे आमजन और किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि 10 अप्रैल को गन्नौर अनाज मंडी में गेहूं खरीद के दौरान वजन में गड़बड़ी पाई गई थी। किसानों का कहना था कि 50 किलो 19 ग्राम की जगह 51 किलो 15 ग्राम तक वजन लिया गया, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हुआ।

गन्नौर। बैठक में भाग लेते किसान यूनियन के पदाधिकारी ।

सोनीपत। वाटर पार्क के उद्घाटन के दौरान विद्यायल निदेशक, प्राचार्या एवं अन्य।

ब्राइट स्कूल में वंडरलैंड पार्क का उद्घाटन

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में प्राइमरी विंग के बच्चों के लिए बनाए गए वंडरलैंड पार्क का उद्घाटन किया गया। यह विशेष प्ले जोन बच्चों को खेलने, सीखने और मनोरंजन का बेहतर माहौल देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उद्घाटन समारोह में स्कूल निदेशक समीक्षा पंवार, प्रिंसिपल डॉ. किरण दलाल और हेडमिस्ट्रेस स्वाति बालियान मौजूद रहीं। इस दौरान अभिभावक, शिक्षक और खेल विभाग का स्टाफ भी उपस्थित रहा। पार्क में बच्चों के लिए झूले, फव्वारे और कई मनोरंजक गतिविधियों की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया और खूब आनंद उठाया। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों को ऐसा वातावरण देना है, जहां वे पढ़ाई के साथ खेल और रचनात्मक गतिविधियों में भी आगे बढ़ सकें। प्रिंसिपल डॉ. किरण दलाल ने कहा कि स्कूल बच्चों को पारिवारिक माहौल देने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

गोल्ड मेडल विजेता रितिका गहलावत का गांव में पहुंचने पर भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

उपमंडल के गांव निजामपुर माजरा की रितिका गहलावत ने कुश्ती के 59 किलो भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र व प्रदेश का नाम रोशन किया है। उसने उक्त उपलब्धि केरल में 23 से 27 अप्रैल तक आयोजित रोमबो इंटरनेशनल चैंपियनशिप में अर्जित की। विजेता खिलाड़ी के गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। गहलावत आठगामा धाम दादा सोमनाथ मंदिर फरमाना परिसर में खिलाड़ी के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने फूलों और नोटों की मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। समारोह की अध्यक्षता आठगामा प्रधान सतबीर नंबरदार ने की। खिलाड़ी को आशीर्वाद देने वालों में ऑल इंडिया गहलावत खाप के प्रधान दयानंद गहलावत, पूर्व विधायक सुखबीर, समाजसेवी भोला पहलवान, रमेश महीपुर, विधायक पवन खरखौदा के पिता आजाद भोरिया, पूर्व एक्सियन धर्मवीर दहिया, आशीष, राजबीर आदि के नाम शामिल हैं। आयोजकों ने कोच रिंकू मलिक व अकादमी के अन्य पहलवानों का भी स्वागत किया। पूर्व विधायक सुखबीर फरमाना ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। केवल उसे पहचानने और निखारने की जरूरत है।

खरखौदा। रितिका गहलावत को सम्मानित करते ग्रामीण।

भारतीय संस्कृति में गो सेवा सबसे बड़ा दान

गोहाना। राष्ट्रीय वैदिक परमार्थ ट्रस्ट द्वारा शहर में पानीपत मार्ग पर संचालित लावारिस पीड़ित पशु गोशाला में रविवार को पानीपत नगर निगम की मेयर कोमल सैनी के पिता ससुर रामकुमार सैनी व उनके साथ आए उसके मित्रों ने गायों के लिए 84 हजार 4 सौ रुपये का दान दिया। गोशाला में रामकुमार सैनी व उसके मित्रों का सम्मान प्रकट किया गया। मुख्य अतिथि गो प्रेमी रामकुमार सैनी ने कहा भारतीय संस्कृति में गो सेवा को सबसे बड़ा दान बताया गया है। गायों के लिए दान देने से मिलने वाले फल आध्यात्मिक और मानसिक दोनों हैं। गाय की सेवा करना हम सब की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी भी है। सम्मान समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दास सैनी ने की। उन्होंने कहा पौराणिक मान्यताओं के अनुसार लावारिस गायों की सेवा करने से जानबूझकर या अनजाने में किए गए पापों का नाश होता है और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

गोहाना। गो सेवक रामकुमार सैनी व उसके मित्रों का सम्मान प्रकट करते।

समाज कल्याण संगठन ने 34 पौधे रोपे

- पौधों के पास कूड़ा एकत्रित करके लगाई जा रही आग, पौधों को हो रहा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत 34 पौधे रोपे। पौधारोपण महम बरोदा लिंक रोड के समीप गली में किया गया। नवरोपित पौधों को पशुओं से सुरक्षा के दृष्टिगत ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया व पुराने पौधों की देखभाल भी की गई। अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। संगठन द्वारा गली में नीम, सरस, पापड़ी और जंगली जलेबी के पौधे रोपे गए। संगठन की टीम द्वारा पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के बाद सिंचाई की की गई। पुराने पौधों की देखभाल में 4 पौधे सूखे हुए मिले जिनके स्थान पर नए पौधे रोपे गए। संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि पौधों के पास कूड़ा डालकर आग लगाई जा रही है। ऐसे में कूड़ा जलने के साथ पौधों को भी नुकसान पहुंच रहा है। संगठन द्वारा ऐसे लोगों की पहचान करके उनकी वन अधिनियम के तहत उनकी शिकायत की जाएगी। पौधारोपण में बलजीत जांगड़ा, जयवीर, प्रमोद, साहिल, मनोज, अभिमन्यु शर्मा, डॉ. बिजेंद्र, देवेन्द्र, मोहित व पवन ने अपनी सेवाएं दी।

गोहाना। पौधों में पानी डालते हुए संगठन के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

स्पर्धा में 120 खिलाड़ियों ने भाग लिया, 7 - 9 आयु वर्ग में हिमांशु प्रथम

केडी इंटरनेशनल स्कूल में हुई इंटर डोजो कराटे चैंपियनशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

सूरजमल मार्शल आर्ट स्पोर्टस अकादमी के तत्वावधान में केडी इंटरनेशनल स्कूल खरखौदा में इंटर डोजो कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। आयोजक सचिव विकास बिडलान ने बताया कि इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि स्कूल चेयरमैन भूपेंद्र ठेकेदार थे।

विशिष्ट अतिथि अनिल भारद्वाज महासचिव जिला सोनीपत कराटे संघ रहे। प्रतियोगिता में प्रताप स्कूल, ए. पी. गर्ग स्कूल, एस.एम. स्कूल, वीर स्पोर्ट्स अकादमी, के.डी. इंटरनेशनल स्कूल, सूरजमल मार्शल आर्ट स्पोर्टस अकादमी, कराटे प्लेनेट, श्री राम स्कूल व विभिन्न स्कूलों और डोजो के खिलाड़ियों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। स्पर्धा में 120 खिलाड़ियों ने भाग लिया। घोषित परिणाम के अनुसार 5 से 7 आयु वर्ष (बालक वर्ग) में आयांश ने प्रथम, दिव्य ने द्वितीय व रुद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

7 - 9 आयु वर्ष में हिमांशु ने प्रथम, रावांश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 9 - 10 वर्ष में विराज आर. टी. के. ने प्रथम, विराज के.डी. स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 10 - 11 वर्ष में कुलप्रीत ने प्रथम, ओमित ने द्वितीय, पारस व नयन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 12 - 13 वर्ष अनमोल ने प्रथम,मंदीप ने द्वितीय व हर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 13 - 14 वर्ष में संस्कार ने प्रथम, केशव ने द्वितीय, शुभम व समर ने तृतीय स्थान पर रहे। 9 वर्ष (बालिका वर्ग) में योगिता ने प्रथम, यशिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

खरखौदा। खिलाड़ियों का मुकाबला शुरू कराते मुख्य अतिथि भूपेंद्र ठेकेदार।

विजेताओं को किया सम्मानित

10 वर्ष में नेहा देवी ने प्रथम, परी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 10 वर्ष (बालिका व अन्य) लावण्या ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय, काव्या व नीरू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर -18 (बालिका वर्ग) में ज्योति ने प्रथम, नैना ने द्वितीय,सोनिका व हर्षिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को पदक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर राजीव सहरावत, भानवीर, संदीप, मोहित, वेदपाल, दिवेक, दीपक बिडलान, विकास, सन्नी, जयप्रकाश, जयकिशन आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दिनभर मतदाताओं का लगा रहा आवागमन, लाइन में दिखे वोटर

सुबह कम दिखा उत्साह, दोपहर तक धीमी रही वोटिंग प्रक्रिया, शाम को पकड़ी रफ्तार

सभी केंद्रों पर सुबह 8 बजे मतदान प्रक्रिया को शुरू करवा दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम क्षेत्र में मेयर व 22 वार्डों के पार्षद पदों के लिए रविवार को हुई मतदान प्रक्रिया को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को नहीं मिला। सभी केंद्रों पर सुबह 8 बजे मतदान प्रक्रिया को शुरू करवा दिया गया था, लेकिन 10 बजे तक जिले में बनाए गए 264 मतदान केंद्रों में एक भी ऐसा बूथ नहीं दिखा, जहां मतदान का 100 का आकड़ा पूरा किया गया हो। 10 बजे तक सभी केंद्रों पर कुल 4915 मतदान के साथ 1.7 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। उधर नेता व एजेंट केंद्रों पर खड़े होकर मतदाताओं से वोट की अपील करते नजर आए। दोपहर होने तक वोटिंग प्रक्रिया धीमी-धीमी चलती नजर आई। इसके बाद 11 बजे 10.1, दोपहर 2 बजे 22.4, शाम 5 बजे 40.1 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। हरिभूमि टीम ने अलग अलग क्षेत्रों में बने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया, जिसकी रिपोर्ट इस प्रकार है।

सोनीपत। मॉडल टाउन स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बाहर लगे टैंट में पार्टी समर्थकों से वोटिंग नंबर लेते मतदाता। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। देवडू रोड स्थित गोल्डन पैटल स्कूल में बने मतदान केंद्र में लाइन में लगे मतदाता। फोटो : हरिभूमि

मॉडल टाउन का आंखों देखा हाल

हरिभूमि की टीम सुबह 9:30 बजे मॉडल टाउन स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर पहुंची, लेकिन यहां मतदाताओं की कमी नजर आई। एक-दो मतदाता को छोड़ दे, बाकि अन्य बूथों पर कोई मतदाता नजर नहीं आया। केंद्र के बाहर कुछ मतदाता बाहर एजेंटों से अपनी वोटर संख्या पूछते नजर आए। सड़कों पर सन्नाटा नजर आया। सुबह से ही धूप खिलने के कारण कुछ ही मतदाताओं ने केंद्रों पर पहुंचकर अपने मतदान का प्रयोग किया। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी मतदाताओं का इंतजार करते नजर आए।

देवडू रोड का आंखों देखा हाल

इसके बाद टीम सवा 10 बजे देवडू रोड स्थित गोल्डन पैटल स्कूल में बने मतदान केंद्र पर पहुंची। यहां मतदान कक्ष के बाहर कुछ मतदाता लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। उधर पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चौकन्न नजर आया, तो डयूटी पर तैनात कर्मचारी अपने कार्यों में व्यस्त रहे। वहीं केंद्र के बाहर स्थित पार्टियों के समर्थकों के सामने भीड़ दिखाई दी। कुछ मतदाता चुनाव को लेकर आपस में चर्चा करते नजर आए। केंद्र के बाहर दो पार्टी के समर्थक टेंट में बैठकर मतदाताओं की मदद करते नजर आए, लेकिन अन्य दो प्रत्याशियों के टेंट पर कोई मतदाता खड़ा नजर नहीं आया। समर्थक टेंट के अंदर आराम से कुर्सियों पर बैठे मिले।

मुरथल अड्डा

इसके बाद टीम पौने 1 बजे मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर पहुंची। केंद्र के बाहर कुछ महिलाएं मतदान कर आपस में चर्चा कर खिलखिलाती नजर आई। वहीं कुछ मतदाता केंद्र के अंदर मतदान के लिए जाते, कुछ बाहर आते दिखाई दिए। यहां केंद्र के गेट पर तैनात पुलिस बल ने किसी को मतदान कक्ष की ओर जाने की अनुमति नहीं दी। हालांकि इस केंद्र पर पुरुषों की अपेक्षा यहां महिला मतदाता ज्यादा केंद्र पर मतदान के लिए नजर आईं। साथ ही मतदाताओं का आवागमन लगा रहा।

मुरथल रोड का आंखों देखा हाल

सुबह 11 बजे टीम जब मुरथल रोड स्थित जीवीएम कॉलेज में बने मतदान केंद्र पर पहुंची, तो यहां केंद्र के बाहर सन्नाटा नजर आया। दो-चार मतदाता आते-जाते दिखाई दिए, जबकि केंद्र के अंदर महिला-पुरुष मतदाता अलग-अलग लाइनों में खड़े होकर मतदान के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। किसी मतदाता को मोबाइल लेकर अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। कुछ मतदाता वोट डालने के बाद चेहरों पर खुशी लिए बाहर आते दिखाई दिए, तो कुछ चुपचाप वोट डालकर अपने गंतव्य को रवाना हो गए।

सब्जी मंडी का आंखों देखा हाल

टीम दोपहर 12 बजे सब्जी मंडी के पास जैन विद्या मंदिर स्कूल में बने मतदान केंद्र पर पहुंची। यहां बाहर पार्टी के समर्थक जहां टेंट लगाकर आपस में सुगबुगाहट करते नजर आए और टेंटों के बाहर अपना वोट नंबर जानने के लिए मतदाताओं की भीड़ दिखी। यहां काफी संख्या में मतदाता अपने मत का प्रयोग कर बाहर निकलते, तो काफी केंद्र के अंदर जाते दिखाई दिए। केंद्र के अंदर दो बूथ पर मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें नजर आई, तो दो कुछ मत वोटरों की कम संख्या रही। कुछ मतदाता मतदान कक्ष के बाहर बेंचों पर बैठकर भीड़ कम होने का इंतजार करते दिखे। केंद्र पर अंदर व बाहर पुलिस बल तैनात मिला। जिसे सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था।

जटवाड़ा की स्थिति

टीम करीब पौने 2 बजे जटवाड़ा स्थित राजकीय विद्यालय में बनाए गए मतदान केंद्र पर पहुंची। यहां केंद्र के बाहर पार्टी समर्थकों के साथ मतदाता भी भीड़ लगाकर एकत्रित दिखे। महिलाएं भी टोलियां बनाकर मतदान के बाहर एकजुट नजर आई और चुनाव पर चर्चा करती दिखी। कुछ मतदाता केंद्र के अंदर जाते दिखे, तो काफी बाहर आते दिखाई दिए। हालांकि केंद्र के अंदर भीड़भाड़ का माहौल नजर नहीं आया। यहां बने बूथों पर केवल 10-12 मतदाता ही मतदान कक्ष के बाहर खड़े नजर आए।

खास बातें

- मतदाताओं में सुबह कम दिखा उत्साह, दोपहर तक धीमी रही वोटिंग प्रक्रिया, कई जगह सुनसान नजर आए मतदान केंद्र
- सुबह 10 बजे तक 4915 मतदान के साथ 1.7 प्रतिशत हुई वोटिंग, 11 बजे तक 10.1, दोपहर 2 बजे तक 22.4 हुआ मतदान

मॉडल टाउन का हाल

हरिभूमि टीम 2:30 बजे मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर पहुंची, यहां बाहर पार्टी समर्थक आपस में बातें करते नजर आए, जबकि केंद्र के अंदर सुनसान माहौल दिखा। दो-चार मतदाता वोट डालकर बाहर आते दिखे। करीब 15-20 मतदाता एक बूथ पर लाइनों में लगे दिखे, जबकि दो बूथ पर दो-चार ही मतदाता खड़े नजर आए।

खबर संक्षेप

कैबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार का हालचाल जाना

गन्नौर। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार को हाल ही में सड़क हादसे में चोट लगने के बाद एमएसएमई इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन बड़ी के पदाधिकारी पानीपत स्थित रेस्ट हाउस थर्मल पावर पहुंचे और उनका कुशलक्षेम जाना। एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन कौशिक ने मंत्री के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि वह जल्द पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा के कार्यों में सक्रिय हों और प्रदेश की जनता का मार्गदर्शन करते रहें। इस दौरान मंत्री के छोटे भाई रोहतास पंवार से भी आत्मीय मुलाकात की गई। इस अवसर पर हरीश कौशिक, अनिल कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गायत्री विद्या पीठ में मनाया मातृ दिवस

गन्नौर। गायत्री विद्या पीठ में मातृ दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। माताओं के लिए कई मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें रबर बैंड उठाओ प्रतियोगिता, आंखों पर पट्टी बांधकर श्रृंगार प्रतियोगिता, एक हाथ से गांठ खोलो प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर, माला पहनाओ प्रतियोगिता तथा नृत्य प्रतियोगिता मुख्य आकर्षण रहीं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली माताओं को विद्यालय की ओर से उपहार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की मुख्यध्यापिका शकुंतला कौशिक ने माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मां परिवार की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होती है। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ सदस्य मोनिका, सीमा, रुचिका, शीतल, पायल, कुशुमलता, रेखा, मनीषा, तमन्ना और आंचल सहित अन्य अध्यापक उपस्थित रहे।

बच्चों ने मधुर गीतों से किया मातृशक्ति को नमन

गोहाना। गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति से अपनी माताओं का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के एमडी अनिल मलिक और निदेशक मुकेश मलिक ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। अध्यक्षता प्राचार्या उषा कौशिक ने की। सांस्कृतिक मूल्यों के गरिमापूर्ण माहौल में आयोजित इस समारोह में विद्यार्थियों ने मां के त्याग, प्रेम और समर्पण के भाव को गीतों के सुरों की माला में पिरोते हुए अनूठे अंदाज में अपनी माताओं का सम्मान प्रकट किया। समारोह में कक्षा यूकेजी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने मातृशक्ति के सम्मान में अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

मातृ दिवस पर प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

गन्नौर। चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में करीब 400 माताओं एवं महिला अभिभावकों ने भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षाविद् सुश्री आरती नरवाल और सुश्री दीपिका शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों से हुई। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने कविता, गीत और नृत्य के माध्यम से मां के प्रेम, त्याग और ममता को मंच पर जीवंत कर दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत "मेरी प्यारी मां" नृत्य ने सभी को भावुक कर दिया। विद्यालय परिवार की ओर से उपस्थित सभी माताओं को मंच पर सम्मानित किया गया। माताओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन व विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्कूल निदेशक अजय यादव ने कहा कि मातृ दिवस का यह आयोजन ममता, सम्मान और भावनाओं से भरपूर यादगार पल बन गया। व्यवस्था शिक्षकों ने संभाली ।

लोकतंत्र की मजबूती को नेताओं ने डाले वोट

- नगर निगम के दूसरे आम चुनावों को लेकर नेताओं ने सुबह ही कर लिया मत का प्रयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत नगर निगम के दूसरे आम चुनावों में बेशक से आम जनता ने मतदान के प्रति अधिक उत्साह ना दिखाया हो। लेकिन नेताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया। विधायक, पूर्व विधायक से लेकर मेयर प्रत्याशियों ने भी सुबह-सुबह ही अपनी वोट डाल दी थी।

चाहे कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान हों या फिर भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन, प्रत्याशियों ने भी अपने अपने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान किया। इसके अलावा विधायक और पूर्व विधायक ने भी अपने मत का प्रयोग किया। इस दौरान नेताओं ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिये अच्छा मतदान प्रतिशत जरूरी होता है। ऐसे में लोगों को चाहिये कि वो घरों से निकलें और लोकतंत्र के इस पर्व में हिस्सा बनें। विधायक निखिल मदान ने निगम चुनाव में मैप्स्को सिटी क्लब हाउस में बूथ नम्बर 223 पर अपने मत का प्रयोग किया। दूसरी ओर पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने अपने परिवार सहित वार्ड चार स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। इसी मतदान केंद्र पर भाजपा के मेयर प्रत्याशी राजीव जैन ने अपनी पत्नी पूर्व मंत्री कविता जैन और अपने पुत्र दिव्यांक जैन के साथ मतदान किया। इसके अलावा कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी कमल दिवान ने अपनी पत्नी मेघा दिवान स्थित बूथ नंबर 26 पर पहुंचकर मतदान किया।

सोनीपत। वोट डालने के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाते हुए कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान एवं उनकी पत्नी।

सोनीपत। मैप्सको सिटी में मतदान के उपरांत विधायक निखिल मदान एवं अन्य अंगुली पर स्याही दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। पूर्व मंत्री कविता जैन, भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन साथ में उनके पुत्र दिव्यांक जैन मत का प्रयोग करने के उपरांत अंगुली पर स्याही दिखाते हुए।

सोनीपत। पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार परिवार सहित मतदान के उपरांत स्याही दिखाते हुए साथ में सुरेंद्र छिक्कारा। फोटो : हरिभूमि

लोकतंत्र के पर्व में युवाओं की आहुति, किसी ने पहली तो किसी ने एक साल बाद दूसरी बार डाला अपना वोट

वार्ड के हितों को देख किया मतदान

मैंने आज पहली बार अपने मत का प्रयोग किया है। आज मौका मिला, तो जल्द ही परिजनों के साथ मतदान केंद्र पर पहुंच गई। मैंने अपना मत ऐसे प्रत्याशी को दिया है, जो क्षेत्र का विकास करवा सके।

साक्षी, जटवाड़ा

मतदान कर हुआ जिम्मेदारी का अहसास

शहर की सरकार बनाने के लिए लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान का अधिकार मिला है। दूसरी बार वोट डालने का सुखद अहसास हुआ। खुशी है कि मेरी एक वोट भी छोटी सरकार चुनने में मदद करेगी।

मन्नु, जटवाड़ा

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए डाला वोट

पिछले साल मेयर उपचुनाव में पहली बार मतदान के बाद आज दोबारा वोट डालने का मौका मिला। मतदान को लेकर बेहद उत्साहित थी। मैंने अपना वोट लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए उस प्रत्याशी को दिया है, जो शहर व हमारे वार्ड के विकास कराएगा।

आशु शर्मा, सेक्टर-12

वोट की ताकत ही बदलाव लाने की शक्ति

शहर के विकास को ध्यान में रखकर वोट डाला है। वोट उस प्रत्याशी को दिया है, जो ईमानदार होने के साथ हमारे क्षेत्र का विकास करवाने की काबिलियत रखता हैं। वोट की ताकत से आम आदमी बदलाव लाने की शक्ति रखता है।

इशिता शर्मा, वार्ड-3

पहली बार वोट डालने के अधिकार का था इंतजार

मुझे पहली बार मतदान करने का काफी समय से इंतजार था और आज वह दिन आ ही गया। पहली बार वोट डालने का मौका मिला, तो अपने मनपसंद प्रत्याशी के पक्ष में बटन दबाया।

अंजू, जटवाड़ा

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

सीनियर सिटीजन में भी मतदान को लेकर दिखा जोश

मतदान करने के लिए किसी ने घुटनों, कमर के दर्द को किया दरकिनार, कोई बेसाखी से पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लोकतंत्र में मताधिकार सबसे बड़ी जिम्मेदारी मानी जाती है। जीत-हार के लिए एक वोट का भी अपना महत्व है। इसी उद्देश्य के साथ रविवार को शहर की छोटी सरकार चुनने के लिए लोकतंत्र के महापर्व मनाया गया। मतदान प्रक्रिया में बुजुर्ग वर्ग (सीनियर सिटीजन) और दिव्यांगजन में सबसे ज्यादा जोश, उत्सुकता देखने को मिली। जीवन में करीब 8 दशकों का पड़ाव पार कर चुके बुजुर्गों ने अपने-अपने मतदान का प्रयोग कर चुनावी माहौल पर विचार व्यक्त किए। मतदान करने के लिए किसी ने अपने घुटनों, कमर के दर्द को दरकिनार किया।

बुजुर्ग मतदाता सुरेंद्र कौशिक बोले

शिव कॉलोनी निवासी 80 वर्षीय सुरेंद्र कौशिक ने बताया कि वह अपने जीवन में कई चुनाव देख चुके हैं। चुनाव के लिए लंबे चौड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें पूरा करने कोई नहीं आता। वोट लेने के समय मतदाताओं की याद आती है। दो माह पहले बेटी-बहु का वोटर कार्ड अप्लाई किया था, जो आज तक नहीं मिले। वोट नंबर निकलवाने के लिए धक्के खाने पड़े।

सुरेंद्र कौशिक, शिव कॉलोनी

लोकतंत्र मजबूत होना जरूरी

देवड़ रोड के 73 वर्षीय जयपाल ने बताया कि मतदान करने के लिए उम्र नहीं देखनी चाहिए। लोकतंत्र में एक आजादी व अपने पक्ष के प्रत्याशी के लिए वोट डालने का मौके मिलता है। अपने मतदान का प्रयोग जरूर करना चाहिए।

जयपाल, देवडू रोड

लोकतंत्र बसे बड़ी शक्ति

सब्जी मंडी के पास मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद लाठी का सहारा लेकर बाहर आई 66 वर्षीय ओमपति ने बताया कि लोकतंत्र देश की सबसे बड़ी शक्ति है। इसे बचाए रखने के लिए सभी को आगे आना चाहिए।

ओमपति, सोनीपत

बेसाखी के साहरे दिया वोट

देवडू रोड पर मतदान केंद्र पर 77 वर्षीय रामदेव सैनी ने बेसाखी व भतीजे कैलाश सैनी के सहारे पहुंचकर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी आहुति दी। साथ ही लोगों को घरों से निकलकर मतदान करने का संदेश दिया। रामदेव सैनी ने बताया कि शहर की सरकार चुनने का अवसर आमजन को मिला है। उन्होंने अपने साढ़े 7 दशक के जीवन रूपी पड़ाव में कई चुनाव देखे हैं। मतदान कर प्रत्याशी चुनने का अलग ही उत्साह है।

रामदेव सैनी

मतदान करना हमारा कर्तव्य

मुरथल अड्डा स्थित मतदान केंद्र पर मतदान के लिए चावला कॉलोनी निवासी शकुंलता देवी ने बताया कि मतदान करना हमारा कर्तव्य है। बुजुर्ग होने के बावजूद भी उन्होंने अपने धर्म को निभाया है। सभी को मतदान अवश्य करना चाहिए(

शकुंलता देवी, चावला कॉलोनी

वार्ड के प्रत्याशी के चयन करने घरों से निकली महिला शक्ति, डाला वोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर की सरकार चुनने व लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने में महिला शक्ति ने भी महापर्व में भागीदारी देकर अपने मत का प्रयोग किया। नगर निगम क्षेत्र का चाहे शहरी क्षेत्र था या ग्रामीण अंचल, महिलाएं घर का कामकाज निपटाकर मतदान के लिए केंद्रों पर पहुंचीं। कुछ महिलाएं बच्चों को साथ लेकर मत का प्रयोग करने पहुंची। कुछ महिला शक्ति ने घूंघट की ओट में भी शहर की सरकार बनाने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

विभिन्न मतदान केंद्रों पर महिलाओं में मतदान के प्रति काफी उत्साह देखने को मिला। मतदान केंद्रों पर महिलाओं की लगी लंबी कतारें यह बयां कर रही थी कि वह अपने वार्ड के प्रत्याशी के चयन का सपना पूरा करने के लिए घरों से निकल कर आई हैं। बेहतर प्रत्याशी का चयन करके ही शहर के विकास के सपने को साकार किया जा सकता है। ऐसे में महिलाओं ने लोकतंत्र के महापर्व में अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। मतदान कर अपने प्रत्याशी का चयन

महिला शक्ति ने महापर्व में भागीदारी देकर किया वोट

शहर के विकास के लिए ही अपने मतदान का प्रयोग किया है। अगर सभी मतदाता अपने घरों से निकलकर मतदान के अधिकार का सही प्रकार उपयोग करते है, तो शहर के विकास के लिए चयनित प्रत्याशियों को सोचने पर विवश किया जा सकता है।

एकता, आदर्श नगर।

शहर की तस्वीर बदलने के लिए मतदान प्रक्रिया में सभी का सहयोग देना अनिवार्य है। तभी शहर की खामियों को दूर किया जा सकता है। मैंने सुबह ही मतदान को लेकर तैयारियां कर ली थी। केंद्र पर मतदान कर काफी खुशी महसूस कर रही हूं। सभी मतदाताओं को वोट अवश्य करना चाहिए।

रेनू, आदर्श नगर।

मैंने अपने मतदान का प्रयोग शहर व वार्ड के विभिन्न मुद्दों को देखते हुए किया हैं। हम सभी को देश के संविधान से मताधिकार का अधिकार मिला है। ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें। इसी सोच के साथ मैंने अपना फर्ज निभाया है।

प्रियंका, मुरथल रोड।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान कर मैंने अपना फर्ज निभाया है। शहर के साथ वार्ड की उन्नति व विकास के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मतदान कर गर्व महसूस हो रहा है। सभी मतदाताओं को सोच समझकर प्रत्याशी का चयन करना चाहिए, जो पांच साल तक उनकी समस्यों का सुधार कर सके।

मधु शर्मा, सेक्टर-12

अपने वार्ड के मुद्दों को ध्यान में रखकर मैंने अपना मतदान किया है। हमें सोच समझकर ऐसे प्रत्याशी को चुनना चाहिए, जो हमारी आवाज को उठाकर शहर को समस्या मुक्त बना सके। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब सभी मतदाता अपने मत का प्रयोग सोच-समझकर करेंगे।

दीपाली, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी।